

माया - जाल

दोसार बेला; बेर हासुरोक् देलादिली । मायापुर खोन
ओड़ाक् तेय रुआड़ काना, जयचाँद । होर रे गाडा-बेडा पारो-
मोक् होयोक्ताया । होरे तोड़ाव इदी एदा, तियोक् केदाय बेडा ।

हारियाड़ दोलोप् बेडा । सोपोर-साँगिब जानुम दारे
नँगो वाकाना; आपान-आपिनको कोयोक् बाड़ा जोड़ काना,
चेत् चोको इसारा जोड़ काना । मित्-बार गुण्डरी चंड आचका
गे घाँस गाजाड़ खोनको आपिर राकाप् काना सुन सेन; आरहों
आचका गे भिटवाक् तोपाक् जो लेका, बुर सोगेक् कानाको
लोगोत् घाँस आटेत् रे । देने-वानार सा गाडा द्विप रे मेनाक्
जुरी हेंसाक् रे हुहाड़—जायगा जिराउक् रे धुराउ । एण्डे गे
सोर रे मित् टेन जुआन किता मेनाक्आ—सुत्-डाडी होरहो ।
गाडा ते लेब फेड आकाना मित् टेन सुड्ड् च होर टेंटवास आलाड-
सिक । ओना होर ते आतो कुड़ीको दाक्-काण्डा दिपिल
कातेको हिजुक्-सेनोक् काना, ताक रे 'डाडीर घाटे विटी,
पुखुर घाटे' हों होय रे आँजोमोक् काना । नोडकान ओक्ते,
नोडकान बेला रे जयचाँद । मोंगोंन जयचाँद !

गारभू गोडैताक् गोडा एतोम ओटो काते कोयें ते पारोम
आकान होर । नोआ होर गेय पाक्ज्जा काना । गोडेताक्
गोडा ठेन हेच् कातेय तेंगो एना । हाँस गे ओलोक् काना गोडा,
वेंगाड़, मारिच् रेयाक् हुसनाक् चास जो वाकाना लाठे ठुवा—
तुहेत् चावा, होय आकाना लाटिच्-लाडार, हाँसुरोक् चाँदो
राँत रे उमुक् काना । चेत् ओलोक् काना से—तानमान ओना

गेय जेजेल काना । नोते ओकारे मेनाया, ओना रेयाक्
दिसा-पायसा बानुक्आ । नुनाक् मोजे जेल केदा, नुनाक् नापाय,
मोन बाहलाव, ओना गोडा रेयाक् उपजाउ से ओरजोन, आच
काथाय जादू जोर ते आदिसाय आचुर चालाव एना गोडा
ताला ते—देगाड़ मारिख विरते । , जेल वाड़ा एदाय देगाड़,
बाड सानाए देया ओडोकोक्—जाहाँन माया-जाल तेय पोटोम
एना चलेच् । जाल भितरी रे गोठाय हेलाव वाड़ाय मा, मेनेक्
वाहरेक् खान-घार मेनाक्आ, पारोम ले वाम ! गोडा ताला
रेय आचुर वाड़ाय काना जयचाँद ।

‘ओकोय ?’

हाय रे, ताड़ाम हों बन्द । नुनाक् लिठुर आड़ाड लुतुर
मालुड । ओकोये कुक्ली काना ? कोयोक् आचुर एदाय
जयचाँद । आर हों—

‘ओकोय गोडा ताला रे ?’

गोडा रेयाक् पुरुव नाखा खोन आड़ाड हेच् एना ।
वेंगेत् केदाय ओन्ते जयचाँद, जेल केदे मायावाती ! नियाको
दिन रे नोडका फेराव !

मायावाती, हें मायावाती-तुरुई सेरमा आर मित् गेल
निरोन रेयाक् मातवार होय बाजाव आकावादेया, हारा जुआन
होड़ । जयचाँद सेने वेंगेत् आकादा—रेलो वेंगेत् ! होड़मो रे
मेनाक्ताया दासाँय-सेरमा-वोरोन रंगीन साड़ी; मेंत्, हाँ—
तेल साँवाँर, ओन्तोर गोवोली, इराल बिन्दा मोलोक् चाँदो

ढोब-चाँदी, जुरी मेंत्-पोरायनी आटाल साँच, मेंत् कुटी शिका-
रिया धिनिक ठाट; भाँवरा हेन्दे नाकिच् उप्, लोमोड ठोसोक
जोहा रे टाँकुर लुटाउक् काना—बेला हासुर होय रेयाक् नासे
माहिर एवेर ते । नोआको जोड़ान सेलेत् जुवानतेत् चारे
ओडोकोक् काना मायावाती खोन ।

‘माय ! आम !’

पोन मेंत् मित् एना । जयचाँद वाय फेराव दाड़ेयादा
मेंत्; एनका बेंगेत् गे मेनाया । मायावाती जाँगा लाहा ओते
ओयोड केदा । बाना होड़ थिर ओकोयाक् मोचो रे हों बुली
वानुक्आ । गातागाम मित् घुड़ी, विदाक् कान चाँदो
नुकिनाक् हाल जेलते मित् धावे मेसकोच् केदा ।

खान, मायावाती आच्आक् ठाँइए बागीयादा; थोड़ा
गान एतोम सेने ताड़ाम केदा । आर.....

‘चेत्एम बाम एदा, बेंगाड़ गोडा रे ? हाजुक् - सेनोक्
होर दो बाड़ आत आकाना गोडा रे दो ?’

‘आत् माया, आत्’—मोंगोंन भाव काटाव एनताया
जयचाँद.....‘आत् आकाना, होर दो बाड़—तोवे आत्
आकाना—आत् एना नेन ने, पासेन वाड़ती ठिकोक्आ !’
एटाक् सेन कोयोक् केदाय जयचाँद; डार बेगोर जानुम गाँडके
रे वारया माला पोतामे जेल बाम केत्किना; आच् सेन गे
वानार पान्ते तेकिन सामाड़ आकादा । ताक रेकिन कुकुडुबुर
एदा, बेंगेत् बाड़ा जोड़ कानाकिन; होटोक्किन मित् एदा ।

मित् घाड़ी आरहों थिर ।

‘माया !’.....आचका एभेन, जयचाँद पोताम सेन वेंतेत
काते गेय देला वादेया माया.....

‘हानकिन जेल किनमें जुरी पोताम; आर हुदिसमें
माया.....चेत् इज जाम एदा नोण्डे ! माया !’ बेंगेत् आचुर
केदाय जयचाँद माया सेन ।

‘बेस जंगली थो !’ जाहाँय मान ताहाँयाक् जुतुम
जुम !’ दुगुर माराव एना ‘बाती’ ।

आलोम कादारावक्आ, विटी ! बाज वाडाय कान ताहें-
मेला-मेला गालमाराव दो सोवभोता (सभ्यता) रेयाक् साखी
काना । भूल किताज मायाबाती ! “चिड़हाउ मेजाज रेयाक्
जो । चेत् इज मेना । तोवे जुतुम जुम काते बादला हातावमे ।
से चेत् लेका ? कारामडार; सारी सारजोम, नाहोय बाज
वेवहार लेदा, एय तो ?”

मायावाक् मेंत्-कुटी चोकड़ो एना; जोहा पोकोत् रोट्टे ।
नोण्ड वाक्खड़ बाड हायाक्तामा; बाज देला वाकावात्
मेया, सेन जोडमे, मेन”.....हिकमाती रागात् हुकुम ।

“सेनोक आज.....” ठाण्डा जोबाव; मुलुच् केदाय
जयचाँद । “हें’ देलावाज खान; बाखेंड रेयाक् जारुड बाड
ताहेंकाना ।.....आर सेन ? आम हों सेनोक होयोक्तामा
मायाबाती, आम हों.....” दिड़हो आड़ाड आवाज रे, मेंत् बित्
आकानताया माया मेंत् आंहां रे ।

सेनोक् आर बात्र सेनोक्, चेत् जाला केत्मेया ?.....
 राँगाव काते गेय रोड़ केदा माया । हुरला आचुर एनाय जयचाँद
 सामाङ खोन । एटाक् होड़ाक् गोडा रे वोलो कादे बाहादुरी !
 लुटी हों बाङ लेड़ेयाताम; थोड़ा गान हों बाङ तारकोक
 कान; छिः !”

तारकोक् जारुड़ बात्र मेताक् काना....बाहादुरी मेनाक्आ
 से बाङ. जोजेल बाङ सानायिदिवा ! तोवे जाला ? ओकोय
 जाला एदा उनी गेय बाडाय घटी ते झाली राकाप् हाकोवाक्
 जाला दो चेत् एम बुजा ! माया जाल रे झक्ली गेम बाडाय,
 जोगाव जियाउ दो बाङ ?”.....

“लुतुर हों हासो उतार किदिवा”, मायावतो आच् मोमे
 तेय रोड़ केदा, गोडा वागी काते वेडा होर ते ओड़ाक्ए मोहण्डा
 ऐसा । चेत् हुदिस काते चो, जयचाँद सेनोक् कान मायावाती
 सेन वेंगेत् कातेय लान्दा केदा—खाक् खाक् ।

साँगिब रे तिरिया साडे काना—आस भोरसा पेरेच्
 ओहोड़-ओहोंड़ । जयचाँद गोडेत् गोडा खोन ओडोक काते,
 ओनाय आतेन ओक् केदा, खान ओड़ाक् सेन मोहण्डा एना ।
 होर रे आपान-आपिन लाहा तायोमकिन सेन जोङ काना,
 बाकिन वोलवाक् काना । मायावाती माँझी टोला कुल्ही मुचात्
 सेन तेय पारोम एना रासी टोला—कापास वेडा, ओना टोला
 रे गे ओड़ाक्ताको मा ।

सिब-माली हासूर वूरु हाना सा रेय जिराउ जोङ काना ।

गालसाड एना धरती बिन्दा होबोर रे, निसुन निझुम ।

जोजो रेयाक् रोसगुला आर मारिच रेयाक् मोमलेट
बाबोत वे-बाड़िच् निखुंत बोरनोन आँजोम आकाना मायजिउ-
माजलिस रेन मानोतान मेम्बरको ताला रे । मायाजाल रेयाक्
गुच्छी-पासी मेनाक्आ से वाड, माजलिस रेयाक् मुखिया
कागोज 'मायजिउ मोचा' रेगे केनाक्आ । वाडाय जोड
सानायेत्को दो ओना कागोजको मेंतआक् मा । मरण्डी
किपिसाँडाक् दिल दारयाड दान आर किसकू रानी जीयाक्
गुनमानाव आताड ओन्तोर रे मायाजाल रेयाक् जोनोडाव
लेन देन वानिज-बेपार वाड दो मेनाक्वाड दो ताहेनकान,
'इतिहास कोड़ाम रे हँसली-खोदा वानुक्आन । हुदिस इदाज
'डिवेलुएन' ओना खोन झारना ओडोक आकाना । से वाड—
मेताक्मे मायाजाल जोनोडावखोन । कि जानी—

वेडा रेयाक्-घोटना तायोम, मायावाती आर जयचाँद
ढेर दो वाकिन आपामा, आर नोआ वाड आपाम रे, पासेच्,
उनकिन दोय आरजानेतकिना आपाम लागित । आकिन
वाकिन आपाम काना, एन हों, एनहिलोक् आक् घोटना, मोन-
ओन्तोर रे पुछड़ा पुरहा मेनाक्आ—साफा आरसी रे मेंत्-
आँहाँ मुठान सिक । मायावाती एन हिलोक् जयचाँदाक् रोड़-
लान्दा रे वाय कुसी लेन रे हों वेस गेय आटकान केदा ।
चाटनी रे जोजो आर सेवेल वानार रे मेनाक्आ ।

रोसमे-रोसमेते इता अंकुरोक्आ; लेक लेका होयदाक्,

सेतोड बाम इदी ले, ओना अंकुर गे नापड़ाक् दारे ते फेरा-
वक्आ, जो-बाहा ते साजावक्आ—लेगेच्-लावाक् ।



एन हिलोक् मायाबाती मुण्डूतेय दुकाना—चुपी मुण्डू,
भाचान गिदरा बेटका आगू; मेरोम गुपी गिदरा साँवे दाड़
आकादा मुण्डू ते । काटिच् गिदरा, गुपोको मा उसारा मा
बाको रुआड़, नुइ बाले मोलोक् दोय चेका वाड़ाया । काजे तं
गे हिलित एरा चाम्पाय कोकोला ।

“दो हो, बेटका आगुयेताबोनमे, मुण्डुय सेन आकाना
टोंड़या साँव । इब दोब इसिन-आरो हाताड़ताबोना ।”

मायाबाती मुण्डू रे बेटका बाय बाम लेदेया;
लाइयादेयाको, कथाय, झुमरी गोड़ोम आयो सोगे ओड़ाक्ए
रुआड़ एना । मायाबातीए खातिर एना ।

रुआड़ कानाय; होर रे मेनाया । मुण्डू-घासना रे मित
टाड़ आस मुनी बाहादारे, दारे बुटा बुर बाहा ते साजाव
आकाना । मायाबाती साजावक् लोव बाय साम्बड़ाव लेदा ।
हालाड़ राकाप् काते लुतुर रेय रेवेत्आना बाहा, सुत् रेय
सोगेयाना । मुलुच्ए लान्द केदा आच् मोन ते....भालारी !

वाह ! बेडा रे माया, मुण्डू रे माया—ओन्तोर-बाहेर
सानाम टाण्डी....आँजोम केदाय मायाबाती; तायोम सेन
खोन ओकोयटाक् चोय ओनोंड़हें कान । ताड़ाम तुलुच् गेय
वेंगेत् रुआड़ केदा—आनमोन । मोते मा सामने हुरुत् रे

नुनाक् आँटतेय तोहोत् एना, बाय साम्बड़ाव लेना; लाठवाड
 धिरी चेतान रेय ओबोर एना; बाजाव एनाय; मोका रेयाक्
 बाजाव—नोडकान ठेनाक् दो लाटू गेया । मायाम जोरोक्
 काना गुण्ठी होय हुरुड़ एना । बे-काठिन हासो ! आयू गू !
 उसारा ते बाय बेरेत् दाड़ेयाक् काना; हासो किड़धुम ।

„गुर एनाम माया” ?

कुली आँजोम ते मायावातीय बेंगेत् राकाप् केदा । जेल
 केदे जयचाँद । चेत् हों बाय रोड़ लेदा; मोने रेय मेनवाना—
 आम खातिर ते नोडका । बाहरे ते दो चेत् हों बाय रोड़
 लेदा । लाजाव एनाय जयचाँद । जेले कानाय मायावतीय
 गुर आकाना; कुलीये दो गलती काना; आच्आक् बे-वुजतेत्
 सोदोरोक् काना ।

“कुसियाँम बाजावेन दो” जयचाँद मायाम वोन्द रेयाक्
 वोन्दोबोस रेय धुराउ एना । आँचार कुटरा काते....आच्आक्
 डंगान आँचार—गुर घाव बेधाव काताव लगित् तीय लाहा
 केदा ।

“ओकोर दे से, नोतेताम ती माया ! मायाम जोरो रे
 वाड़िच् मेनाक्आ ।”

मायावाती बाय नोते लेदा ती । एनका तुम्बुत् थिर गेय
 ताहेंयेना ।

“चेत् लाजाव माया !” जयचाँद राने कोटेच् केदा । गार
 रे, गोरोज रेयाक् काथा दो बाड कानाजयचाँद आचका

गे मायावातीयाक् तीय साप् केदा; आँचार कुटरातेय तोल
कादा गुर घाव । तोंगेयादाय “बेसोक्आम माया, ओड़ाक् रे
सेन काते मारे सारजोम बाकलाक् रित् गुण्डा काते गोहोड़ ते गे
चुरुच् आम घाव; बेस गोदोक्आ ।”.....थिर एनाय जयचाँद
मायावाती बाय बेरेत् आकाना; दुङ्गुप् गे मेनाया । ओन्तोर
रे दारहा गुरलाउ ! चाक् भला नुइ होड़ दो इब लागित्
नुनाक्ए दान्द एना । चेत् होय दाड़ेयाक्आ, चेत् नोआ रेयाक्
कारने ?

जयचाँद निभुमतेत्ए काटाघ केदा । आडी गाहरा
आड़ाङ तेय एहोप् केदा—“मायावाती मित् टेन काथाज दिसा
लेदा । लाइयामिज मेनेत् ताहें; मेनखान नोंक्ओंय.... नोडकान
ताक रे लाइयाम दो बेस बाज मेतक् काना; जुदी जाहाँतिस-
माया ! राक् एदाम ।.....”

आच् काथाय दोन बेरेत् एनाय ! बाय चेका वाकाना !
ती किन ताय जयचाँद दाबी रे, मेंत्आँहाँ माताय कोड़ाम रे;
हेंकोक् हेंकोक्ए राक् केदा, लोहोत् केदाय जयचाँद कोड़ाम ।
लुतुर रेयाक् आसामनी-बाहा अुरहा एना जयचाँद जाँगा रे ।
मायावाक् रोड़—

“इकाकाजमें चाँद ! आमाक् गे जय ।”

‘संताली’ (आदित्यमित्र)

मोंडे-गेल-वार बोछोर गान लाहा पिण्डराहाट (गोडा स० प०) रे पाहिल पोरथोम धुड़ी धारती लेवेत् आकात् इच् श्री मोगोन हेम्बरोम गे तायोम ते दो श्री आदित्यमित्र ‘संताली’ ब० तुम तेय नामडाक आकाना ।

एतोहोप् रे आको आतोको रे गे पोण्ड गोडा रे हेन्दे होड़ेच् एरोह् ए चेत वाड़ा केत् तायोम श्री हेम्बरोम दो अयोध्या (उ० प्र०) तेय चालाव एना आर ओण्डे गे हिन्दी आर संस्कृत रेयाक् आकिले हार केदा, सान्ताली मा गो-पारसी कानताया गे । काजे ते सान्ताली आर हिन्दी वानार भाषा रे गे कोलोम दो मित् सोमान चालाक्ताया ।

कामी आसुलोक् लागित् हों ‘संताली’ जी दो राँची (आदिम ज.ति सेवा-मंडल), देवधर (संताल पहाड़िया सेवा मंडल), रघुनाथपुर (मिडिल स्कूल) एमान आयमा ठेनाक् धुड़ीए पासका आकादा आर शेष रे दो राँची (आकाशवाणी से सेरमा-आड़ाङ रेयाक् नुकरी) रेय थामगाड़ी लेना । नेवेतार दो ओण्डे खोन होंय फोरसोत एना राँची हेगे कुंम्बा कुड़िया कातेय ताहेंन काना ।

श्री ‘संताली’ दो हिन्दी तेयाक् ‘ग्राम-निर्माण’ (राँची), ‘प्रकाश’ (देवघर) एमान पत्रिका सासापड़ाविच् होंय ताहें बाड़ा वाकाना । सान्तालीतेयाक् पाहिल उतार ओनोंड़हें (तोपाक् (जिबी) दो ६ अप्रिल, १९४८ ई० रेयाक् ‘होड़-सोम्बाद’ रे छापा र,काप् आकानताया आर ओना तायोम दो आमेला ओनोंड़हें, ओनोल, काहनी एमान छापा सोदोरोक् ते गे मेनाक्ताया । मित् टेच्

ओंनोंइहें-पुथी 'गोसो बोहा' छाप सोंदोर आकानताता काना । उनी
ओल काहनीको रे दो मानवाँ होपोनाक् सुक-दुक, रेंगेच्-तेताङ
हारखेत-सासेत एमानतेयाक् काथा आडी नापाय आडाङ आकान ओल
जामोक्आ । ओलोक्-धारा दो आडी सोझे गेताया । 'नावी
मारसाल दो श्री संनालीयाक् रेडियो रूपक धारा ते ओलाकान मित्
टेन आडी मोंज आर सोरोस काहनी काना ।